आकाशवाणी श्री विजयपुरम

दिनांक : 05.04.2025 समय : 1905

<><><><><><><><>

- उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने कहा– आम नागरिकों पर आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस का प्रभाव इसकी नियामक व्यवस्था के केंद्र में होना चाहिए।
- आज राष्ट्रीय समुद्री दिवस है।
- श्री विजयपुरम में राम नवमी के अवसर पर कल शोभा यात्रा निकाली जाएगी।
- विद्युत विभाग ने उपभोक्ताओं से ऊर्जा संरक्षण भवन संहिता नियम का पालन करने का अनुरोध किया।

<><><><><><><><>

उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने कहा है कि आम नागरिकों पर आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस का प्रभाव इसकी नियामक व्यवस्था के केंद्र में होना चाहिए। श्री धनखड़ ने नागरिकों को आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस के दुरुपयोग से बचाने के लिए स्पष्टीकरण के अधिकार और स्वतः फैसलों को चुनौती देने के अधिकार लागू करने की आवश्यकता पर बल दिया। उपराष्ट्रपति ने कहा कि यांत्रिक मेधा मौजूदा न्याय प्रणाली की फिर से जांच करने के लिए मजबूर करती है। श्री धनखड़ ने कहा कि वैश्विक मानकों के अनुरूप हमें भारत की साइबर संप्रभुता पर बल देना चाहिए। उन्होंने कहा कि आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस में वैश्विक नियम–आधारित व्यवस्था के लिए सभी हितधारकों को एक मंच पर आना होगा। उपराष्ट्रपति ने कहा कि भारत का डिजिटल व्यक्तिगत डेटा संरक्षण अधिनियम एक ऐतिहासिक कदम है और इसे आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस विनियमन के साथ मिलकर विकसित करना होगा।

<><><><><><><><>

आज राष्ट्रीय समुद्री दिवस है। समुद्री क्षेत्र में रक्षा, व्यापार और अर्थव्यवस्था से जुडे उद्योगों में महत्वपूर्ण योगदान देने वाले व्यक्तियों के सम्मान में प्रति वर्ष पांच अप्रैल को यह दिवस मनाया जाता है। भारत इस वर्ष बासठवां राष्ट्रीय समुद्री दिवस मना रहा है। भारत का समुद्री क्षेत्र भारत के व्यापार का आधार है। मात्रा के अनुसार समुद्री क्षेत्र का देश के व्यापार में लगभग पचानब्बे प्रतिशत और मूल्य के अनुसार सत्तर प्रतिशत योगदान है। भारत सात हजार पांच सौ किलोमीटर से अधिक की तटरेखा और बारह प्रमुख बंदरगाहों के साथ दुनिया का सोलहवां सबसे बड़ा समुद्री राष्ट्र है।

<><><><><><><><>

भारत संचार निगम लिमिटेड ने अप्रैल माह को ग्राहक सेवा माह घोषित किया है। इस माह का उद्देश्य मोबाइल नेटवर्क प्रदर्शन, एफ टी टी एच प्रावधान, लीज़ सर्किट प्रावधान और विश्वसीनयता और बिलिंग शिकायत निवारण की सेवा में सुधार करना है। इस अभियान का नारा है ''कनेक्टिंग विद केयर''। अभियान में कॉर्पोरेट मुख्यालय, सर्कल कार्यालय और व्यवसायिक क्षेत्र शामिल हैं। ग्राहक बी एस एन एल पोर्टल के माध्यम से अपनी प्रतिक्रिया साझा कर सकते हैं।

<><><><><><><><>

कल देश के साथ द्वीपसमूह में भी राम नवमी का पर्व श्रद्धा और उल्लास के साथ मनाया जाएगा। इस अवसर पर विश्व हिन्दू परिषद की ओर से वनवासी कल्याण आश्रम के सहयोग से श्री विजयपुरम में विशाल शोभा यात्रा निकाली जाएगी। रैली शाम साढ़े तीन बजे से प्रदर्शनी मैदान से शुरू होकर शहर के विभिन्न मार्गों से होते हुए नेताजी स्टेडियम में आकर सम्पन्न होगी। इस दौरान सांस्कृतिक और भक्ति संगीत प्रस्तुत किए जाएंगे।

उधर, राम नवमी के अवसर पर बाबू लाइन स्थित श्री लॉर्ड रामा टेम्पल में कल से आठ अप्रैल तक पूजा अर्चना के कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। कल सुबह सात बजे अभिषेकम और अर्चना की जाएगी। इसके बाद प्रसाद का वितरण होगा। चिन्मय मिशन में सुबह साढ़े नौ बजे से कार्यक्रम का आयोजन किया जाएगा। साढ़े नौ से ग्यारह बजे तक सुंदरकांड का पाठ होगा। उसके बाद राम जन्मोत्सव मनाया जाएगा और प्रसाद का वितरण किया जाएगा।

<><><><><><><><><>

विद्युत विभाग ने उपभोक्ताओं से ऊर्जा संरक्षण भवन संहिता नियम का पालन करने का अनुरोध किया है। इसके अनुसार पचास किलोवाट या उससे अधिक के कनेक्टेड लोड या साठ केवीए या उससे अधिक की अनुबंध मांग वाले सभी वाणिज्यिक भवनों को निर्धारित ऊर्जा दक्षता मानकों का पालन करना होगा। इसमें सभी नवनिर्मित भवन के अलावा वे भवन भी शामिल हैं, जिनमें अतिरिक्त निर्माण या परिवर्तन किए जा रहे हैं। विभाग ने कहा है कि भवन मालिकों को सुनिश्चित करना होगा कि ऊर्जा संरक्षण उपायों को उनके भवन डिजाइन में शामिल किया गया है। निर्माण पूरा होने पर संबंधित प्राधिकरण से अधिभोग परमिट प्राप्त किया जाना चाहिए। शहरी क्षेत्रों के लिए अधिकार क्षेत्र वाले प्राधिकरण के रूप में श्री विजयपुरम नगरपालिका परिषद ने इन ईसीबीसी प्रावधानों को अपने उपनियमों में शामिल किया है। इन नियमों के दायरे में आने वाले सभी वाणिज्यिक भवनों के मालिकों को अनुबंध मांग के लिए बिजली विभाग से बिजली कनेक्शन प्राप्त करने के लिए नगरपालिका परिषद से आवश्यक अनुमोदन या मंजूरी प्रस्तुत करना अनिवार्य है।

<><><><><><><><><>

केन्द्रीय द्वीपीय कृषि अनुसंधान संस्थान की ओर से एकीकृत कृषि प्रणाली पर कृषि विज्ञान केन्द्र, कार निकोबार के सहयोग से किसानों के लिए "आजीविका सुधार के लिए जैविक एकीकृत कृषि प्रणाली" पर प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ. आई. जयशंकर ने एकीकृत कृषि प्रणाली के लाभों के बारे में जानकारी दी। उन्होंने सब्जियों, कंद, मसालों, चारे और फलों के विभिन्न संयोजनों के साथ–साथ बकरी, सुअर, मुर्गी और मछली पालन के एकीकरण से जुड़े प्रयोगात्मक परीक्षणों के परिणाम भी प्रस्तुत किए। दक्षिण अंडमान के कृषि विज्ञान केन्द्र प्रमुख डॉ. वाई. रामकृष्ण ने किसानों को पुनर्उत्पाद कृषि पद्धतियों पर चर्चा करते हुए पोषण सुरक्षा के लिए सब्जी की खेती के महत्व पर जोर दिया। उन्होंने जैविक अपशिष्ट प्रबंधन और प्रणाली के भीतर एकीकृत कीट और रोग प्रबंधन पर भी प्रकाश डाला। डॉ. अभिलाष ने खेत प्रबंधन में मौसम पूर्वानुमान के महत्व पर चर्चा की। उन्होंने प्रतिभागियों को मौसम की निगरानी के लिए उपयोग किए जाने वाले विभिन्न कृषि–मौसम विज्ञान उपकरणों से भी परिचित कराया। सभी प्रभागों के प्रमुखों ने किसानों के साथ बातचीत की और उनके प्रश्नों का समाधान किया। इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में कार निकोबार द्वीपसमूह के कुल पन्द्रह किसानों ने भाग लिया।

<><><><><><><><><>

कैम्पबेल बे स्थित प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र का नाम बदलकर आयुषमान आरोग्य मंदिर किया गया है। इसमें मरीजों के लिए आधुनिक अल्ट्रा साउंड और एक्स–रे मशीन की सुविधा उपलब्ध कराई गई है।

<><><><><><><><><>

विश्वविद्यालय अनुदान आयोग ने उन छात्रों के लिए एक मानकीकृत समकक्षता ढांचा स्थापित करने का निर्णय लिया है, जिन्होंने विदेशों में अपनी शिक्षा पूरी की है और जो भारत की उच्च शिक्षा प्रणाली या कार्यबल में समाहित होना चाहते हैं। विश्वविद्यालय अनुदान आयोग ने अपनी अधिसूचना में कहा कि आयोग ने स्कूलों और उच्च शिक्षा संस्थानों से विदेशी योग्यता की पहचान के लिए एक पारदर्शी, प्रौद्योगिकी–प्रेरित तंत्र विकसित किया है। विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के अध्यक्ष, ममिदाला जगदीश कुमार ने कहा कि यह कदम महत्वपूर्ण है क्योंकि राष्ट्रीय शिक्षा नीति दो हजार बीस का उद्देश्य भारत को एक वैश्विक अध्ययन गंतव्य में बदलना है। उन्होंने यह भी कहा कि अगर भारतीय संस्थानों को अंतरराष्ट्रीय छात्रों को आकर्षित करना है, तो भारत को विदेशों में अर्जित डिग्रियों की उचित पहचान सुनिश्चित करनी चाहिए।

<><><><><><><><><>

श्री विजयपुरम स्थित जवाहर लाल नेहरू राजकीय महाविद्यालय में दिसंबर दो हजार चौबीस और जनवरी दो हजार पच्चीस में आयोजित पांडिचेरी विश्वविद्यालय स्नातक सेमेस्टर परीक्षाओं में शामिल होने वाले परीक्षार्थी अब पुनर्मूल्यांकन कर सकते हैं। पुनर्मूल्यांकन के लिए आवेदन करने के इच्छुक छात्रों से नौ अप्रैल तक कॉलेज के परीक्षा अनुभाग से संपर्क करने को कहा गया है।

<><><><><><><><><>